

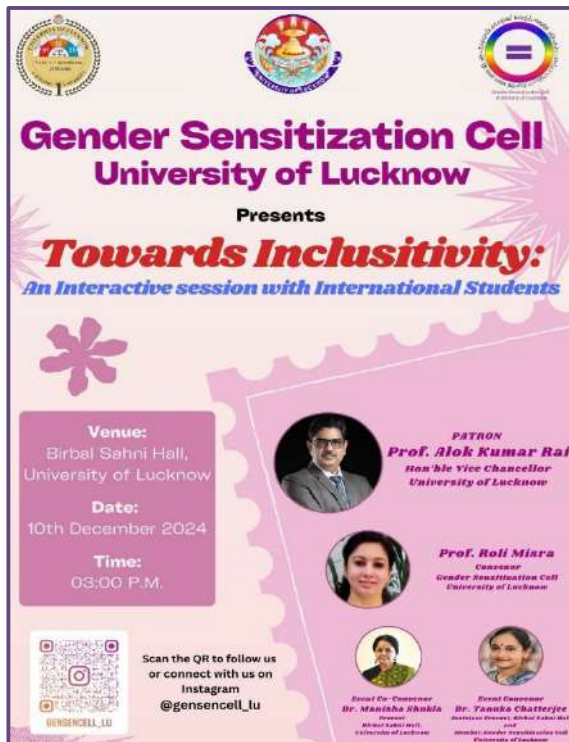
Report on  
“Towards Inclusivity”

"Gender Sensitization Cell Reaches out to close the 16 days of Activism"

(10<sup>th</sup> December 2024)

The Gender Sensitization Cell of University of Lucknow ended the 16 days of activism which is a global initiative of United Nations ‘UNiTE’ by organising an interactive session “Towards Inclusivity” with International Girls Students of the University in Birbal Sahini Hall and with a nukkad natak by Pravah, civil society organization on Ending Gender Based Violence in Faculty

of Law on 10th December 2024. It may be noted that the “16 Days of Activism against Gender-Based Violence” is an annual international campaign which commences on 25 November, the International Day for the Elimination of Violence against Women and ends on 10 December, Human Rights Day.



of Law on 10th December 2024. It may be noted that the “16 Days of Activism against Gender-Based Violence” is an annual international campaign which commences on 25 November, the International Day for the Elimination of Violence against Women and ends on 10 December, Human Rights Day.

During the session international student of the University, Thasmini from Sri Lanka opined that in her household she has to seek permission from her father and brother as she believes that her mother is not well aware about outside world. But for her children she would like to be an equal partner in decision making as she thinks she knows well about what is happening around her. Another student from Sri Lanka Thilini Yapa who worked in a media sector in her country said that she used to go back to home at late night from the office but never felt that she is a girl and that she cannot move out late in night highlighting that her country is pretty safe. One more student from Tajikistan Intizor Sultannorova expressed her views on gender equality by saying that in her country she feels that largely men and women are treated as equal perhaps because of the locational advantage of being closer to Europe.

The interactive session was coordinated by Dr. Manisha Shukla, Provost and Dr. Tanuka Chatterjee, Assistant Provost of Birbal Sahni Hall and nukkad natak was coordinated by Dr Sonali Roy from Faculty of Law. Prof. Roli Misra, convenor of the cell informed that the Gender Sensitization Cell reached is an initiative of Hon'ble Vice Chancellor Prof. Alok Kumar Rai and since its inception in 2020, the cell has been focusing on taking up issues related to Fostering Gender equality, Respectful Gaze, Safer Campus, Respecting Women, making the campus more Inclusive.





## नुकड़ नाटक के जरिए हिंसा के प्रति किया जागरूक

लखनऊ। स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विध्यालय के जेडर सेंसिटाइजेशन सेल ने 16 दिनों के सक्रिय अभियान का समापन किया, जोकि संयुक्त राष्ट्र की एक वैश्विक फालत एकजुट है के तहत चोरबाग साहने होल में विधि की अंतराष्ट्रीय छात्रों के साथ सम्मेलन की और एक इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया गया। विधि संकाय में विधि अध्यापक विद्या के समर्थन करने पर सार्वजनिक सम्मेलन प्रकाश डाला एक नुकड़ नाटक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम जो कि विधि आधारित हिंसा के खिलाफ 16 दिनों का सक्रिय अभियान एक वैश्विक अंतराष्ट्रीय अभियान है, जो 25 नवंबर को महिलाओं के खिलाफ हिंसा के उन्मुखन के अंतराष्ट्रीय दिवस से शुरू होता है और 10 दिसंबर को सार्वजनिक दिवस पर समाप्त होता है। सत्र के दौरान विधि की अंतराष्ट्रीय छात्र, श्रीलंका की ब्रिगमिने ने कहा, उनके पर में उन्हें अपने विद्या और चर्चा से अनुभूति लेने पड़ती है लेकिन अपने चर्चा के लिए यह निर्णय लेने में बाधा की धारणा बनना चाहती है क्योंकि उनके



लगात है कि यह अपने असा-पदा बच हो रहा है, इसके बारे में अच्छी तरह जानती है। श्रीलंका की एक अन्य छात्र विनिनी पाच, जो अपने देश में महिलाओं में काम करती है। उन्होंने कहा कि यह हमारे से देर रात को घर लौटती थी लेकिन उन्हें कभी ऐसा महसूस नहीं हुआ कि यह एक लड़की है और वह देर रात को बाहर नहीं निकल सकती, जिससे वह डरकर होता है कि उनका देश कायों सुरक्षित है। तस्किन्सन की एक अन्य

छात्र इतिजोर सुल्तानोरोवा ने लैंगिक सम्बन्ध पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, उनके देश में उन्हें लगता है कि बड़े पैमाने पर पुरुषों और महिलाओं के साथ सम्बन्ध व्यवहार किया जाता है, शब्द यूरोप के करीब होने के कारण स्थानिक लाभ के कारण। इंटरैक्टिव सत्र का सम्मेलन बीरबल साहनी होल की प्रोफेसर डॉ. मनीषा सुबल और स्वयंसेवक प्रोफेसर डॉ. तनुका चटर्जी ने विद्या और नुकड़ नाटक का सम्मेलन विधि संकाय

की डॉ. सोमानी रींग ने किया। प्रबन्ध की संयोजक प्रो. रेती मिश्रा ने कहा कि विधि संयोजकता प्रबन्ध कुरली प्रो. अलेख कुमार राय की एक फालत है और 2020 में अपने स्थाना के सत्र से यह प्रबन्ध लैंगिक सम्बन्ध को सुरक्षा देने, सम्मानजनक दुश्मिनी, सुरक्षित परिवार, महिलाओं का सम्मान करने, परिवार को अधिक सम्मोचनी बनने से संबंधित मुद्दों को उद्घरण पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

## नुकड़ नाटक कर सामाजिक सरोकार पर डाला प्रकाश



लखनऊ। लखनऊ के जेडर सेंसिटाइजेशन सेल ने 16 दिनों के सक्रिय अभियान का समापन मंगलवार को हुआ, जो कि संयुक्त राष्ट्र की एक वैश्विक फालत नुकड़ है, जिसके तहत चोरबाग साहने होल में विध्यालय की अंतराष्ट्रीय छात्रों के साथ सम्मेलन की और एक इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया गया। विधि संकाय में विधि आधारित हिंसा को सम्मर्थन करने पर सार्वजनिक सम्मेलन प्रकाश डाला एक नुकड़ नाटक का आयोजन किया गया। बता दें कि विधि आधारित हिंसा के खिलाफ 16 दिनों का सक्रिय अभियान

एक वैश्विक अंतराष्ट्रीय अभियान है, जो 25 नवंबर को महिलाओं के खिलाफ हिंसा के उन्मुखन के अंतराष्ट्रीय दिवस से शुरू होता है और 10 दिसंबर को सार्वजनिक दिवस पर समाप्त होता है। सत्र के दौरान विध्यालय की अंतराष्ट्रीय छात्र, श्रीलंका की ब्रिगमिने ने कहा कि उनके घर में उन्हें अपने पिता और भाई से अनुभूति लेनी पड़ती है लेकिन अपने चर्चा के लिए यह निर्णय लेने में बाधा की धारणा बनना चाहती है क्योंकि उनके लगात है कि यह अपने असापम बच हो रहा है, इसके बारे में अच्छी तरह जानती है।

## नुकड़ नाटक से किया जागरूक



लखनऊ, लोकसत्या। जेडर सेंसिटाइजेशन सेल ने सामाजिक उत्थान के लिए काम करने वाली एक गैर सरकारी संस्था प्रकाश के सहयोग से लखनऊ विध्यालय के द्वितीय परिसर के विधि संकाय के लॉ चार्ज में एक नुकड़ का आयोजन किया। कार्यक्रम में कन्या भूष हत्या, महिलाओं को यस्तु के रूप में देखना, महिला शिक्षा अदि सामाजिक सरोकारों पर प्रकाश डाला गया। नाटक में प्रो. प्रीति मिश्रा, डॉन और विधासाध्यस, चकूल अदि स्नेहल स्टडीय, बीबीएयू, लखनऊ, प्रो. बेदी मिश्र,

विधासाध्यस और डॉन, विधि संकाय, लखनऊ विध्यालय, प्रो. (डॉ.) अर.के. सिंह, निदेशक, द्वितीय परिसर, प्रो. राजकुमार, लखनऊ विध्यालय, डॉ. अलेख पादल, डॉ. भानु प्रताप, डॉ. सोमानी रींग, डॉ. राधेश्याम, डॉ. ऋचा सप्तोना, डॉ. स्पेला श्रीवत्सव, डॉ. आनंद सिंह, डॉ. सुधीर वर्मा, डॉ. रूपम खलत होलकर, डॉ. चंद्रशेखर, डॉ. ललित किशोर श्रीवास्तव की अध्यक्षता में उपस्थित रही। नाटक में ध्यानवधिसरों के उत्सर्जन की विधिगत को दर्शाया गया।